आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 14.07.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- एक्सियोम–4 मिशन पर गए भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य की वापसी आज शुरू होगी।
- राज्य में फर्जी बाबाओं के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन कालनेमि में अब तक सौ से अधिक लोगों की गिरफ्तारी, मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से फर्जी लोगों की शिकायत पुलिस से करने की अपील की।
- सावन के पहले सोमवार पर प्रदेश के शिवालयों में आज भक्तों की भारी भीड़; शासन–प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिये व्यापक प्रबंध किए।
- बेस अस्पताल हल्द्वानी में देश का पहला दिव्यांग आधार पंजीकरण केंद्र शुरू किया गया है।

वापसी

एक्सियोम–4 मिशन पर गए भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य की वापसी आज शुरू होगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि वापसी यात्रा भारतीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे से शुरू होगी और मिशन के सदस्य कल लगभग तीन बजे धरती पर पंहुच जायेंगे। शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य सदस्यों को सात दिन के पुनर्वास में रखा जाएगा ताकि वे वापस धरती के गुरुत्वाकर्षण में समायोजित हो सके।

लखनऊ में मीडिया से बातचीत में शुभांशु शुक्ला के पिता शम्भु दयाल शुक्ला ने कहा कि सुरक्षित वापसी के लिए वे लगातार ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 14 दिन के मिशन पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र में हैं। शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष केन्द्र में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सात प्रयोग किए।

ऑपरेशन कालनेमि

राज्य में सावन मास और कांवड़ यात्रा के दौरान फर्जी बाबाओं के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन कालनेमि में अब तक सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंह नगर, टिहरी और अन्य जिलों में उन लोगों पर कार्रवाई की जा रही है जो साधु–संतों का भेष धरकर महिलाओं और श्रद्धालुओं को गुमराह कर रहे थे। शासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान अभी जारी रहेगा और आस्था के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि यदि उन्हें किसी भी छद्मवेशधारी पर संदेह होता है तो वे इसकी सूचना पुलिस को दें।

बंदरों का आतंक

पौड़ी गढ़वाल जिले, विशेषकर कोटद्वार नगर क्षेत्र में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां बंदर खेतों और बागानों को नुकसान पहुँचा रहे हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों में आमजन पर हमले की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। बेस अस्पताल कोटद्वार के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से जून 2025 के बीच 250 से अधिक लोग बंदरों के हमले में घायल हो चुके हैं। केवल मार्च और मई में ही 150 से अधिक मामले दर्ज किए गए। निजी अस्पतालों में भी बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सिंभलचौड़ क्षेत्र में अनावश्यक बड़े पेड़ों और बारातघर के कारण बंदर झुंड में डेरा जमाए रहते हैं।

वहीं, सुरक्षा के दृष्टिगत पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी. एम. गुप्ता ने कहा कि बंदर के काटने पर तुरंत एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवाना जरूरी है, अन्यथा यह जानलेवा हो सकता है।

कोटद्वार नगर निगम के मेयर शैलेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि अब नगर निगम को भी बंदर पकड़ने का अधिकार मिल गया है, जो पहले केवल वन विभाग के पास था। बहुत जल्द नगर क्षेत्र में बंदरों को पकड़ने के लिए संयुक्त अभियान शुरू किया जाएगा।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, बंदरों की बढ़ती संख्या और हमलों पर अंकुश लगाने के लिए दोनों विभाग मिलकर सख्त कार्रवाई करेंगे, जिससे आमजन को राहत मिल सके।

सावन–पहला सोमवार

सावन के पहले सोमवार को प्रदेश के शिवालयों में आज श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। तड़के से ही शिव भक्त मंदिरों में जलाभिषेक के लिए जुटने लगे हैं और दिन चढ़ने के साथ ही श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक बढ़ने लगी है। हरिद्वार, ऋषिकेश, काशीपुर, देहरादून और अन्य क्षेत्रों के प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं।

इधर, हरिद्वार में कांवड़ यात्रा अपने चरम पर है। गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़िए 'बोल बम' के जयघोष के साथ शिवालयों की ओर बढ़ रहे हैं। शिवभक्ति के रंग में रंगे हरिद्वार, ऋषिकेश और मार्ग के अन्य नगरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

उत्तरकाशी के काशी विश्वनाथ मंदिर, रुद्रप्रयाग के टंगनाथ मंदिर, अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम, पौड़ी के दूधातोली शिव मंदिर, नीलकंठ महादेव (सहित अन्य प्रमुख शिवधामों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। मंदिरों में विशेष पूजन–अर्चन का आयोजन किया गया है।

प्रशासन और पुलिस द्वारा मंदिरों के आसपास विशेष सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, मेडिकल टीमों की तैनाती और जलसेवा के प्रबंध किए गए हैं। सावन के पहले सोमवार के इस पावन दिन पर पूरा उत्तराखंड शिवभक्ति में लीन नजर आ रहा है।

सुरक्षा

इधर, श्रावण मास के कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार में शिवभक्तों की भीड़ को देखते हुए एसडीआरएफ ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। गंगा घाटों और हर की पैड़ी पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ड्रोन और मोटर बोट से निगरानी की जा रही है।

एसडीआरएफ की टीमें ड्रोन के ज़रिए घाटों पर नजर रख रही हैं। किसी भी श्रद्धालु के गंगा में बहाव की चपेट में आने या रेलिंग पार करने की स्थिति में तुरंत अलर्ट जारी किया जाता है और मोटर बोट से टीम मौके पर पहुंचकर श्रद्धालु को सुरक्षित बाहर निकाल लेती है।

हर की पैड़ी सहित प्रमुख घाटों पर एसडीआरएफ की टीमें चौबीसों घंटे तैनात हैं।

इस बीच, कांवड़ यात्रा में बड़े डीजे को लाने पर लगाई गई रोक पर हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि पुलिस द्वारा एक निर्धारित साइज से अधिक का डीजे लाने पर कार्रवाई की जा रही है। छोटे डीजे के प्रयोग पर किसी तरह का प्रतिबंध नही है।

निर्देश

केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नकली और खराब गुणवत्ता वाले उर्वरकों के मुद्दे पर तत्काल और सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस बारे में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है।

दिव्यांग आधार पंजीकरण केंद्र

बेस अस्पताल हल्द्वानी में देश का पहला दिव्यांग आधार पंजीकरण केंद्र शुरू किया गया है। इस पहल से दिव्यांगजनों को न केवल डिजिटल पहचान मिलेगी, बल्कि उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने में भी यह केंद्र अहम भूमिका निभाएगा।

यह केंद्र सप्ताह में दो दिन– मंगलवार और गुरुवार को खुलेगा, जहां केवल दिव्यांगजन ही आधार बनवा सकेंगे या उसमें सुधार करवा सकेंगे।

बढोतरी

देश में प्रत्यक्ष कर संग्रह में पिछले दस वर्ष में 274 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2013–14 और 2024–25 के बीच कर विभाग से जारी रिफंड में 474 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कर दाताओं की संख्या भी 133 प्रतिशत बढ़ी है।